कृपया प्रकाशनार्थ **19 अप्रैल, 2009**

श्री राम नाईक व श्री संजय निरुपम की उपस्थिती में श्री हेमेंद्र महेता का उपद्रव

मुंबई, रविवारः उत्तर मुंबई लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण प्रतिद्वन्दी उम्मीदवार श्री राम नाईक, श्री संजय निरुपम और श्री शिरीष पारकर की उपस्थिती में बोरीवली में आयोजित एक सभा में पूर्व विधायक एवं राष्ट्रवादी काँग्रेस के नेता श्री हेमेंद्र महेता द्वारा किये गये अभद्रतापूर्ण उपद्रव के कारण अंततः सभा को विसर्जित करना पडा.

इन्स्पायर्ड भारत ॲक्शन फोरम और अन्य 24 संघटनों द्वारा आज बोरीवली के गोपालजी हेमराज हायस्कूल में आयोजित सभा में राष्ट्रवादी के नेता श्री हेमेंद्र महेता द्वारा किये गये अभद्रतापूर्ण व्यवहार के प्रति आम नागरिको में असंतोष की लहर है. श्री दत्तात्रय कोसंबे की अध्यक्षता में इन्स्पायर्ड भारत ॲक्शन फोरम ने उम्मीदवार के परिचय के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया था. इस कार्यक्रम में भाजपा-शिवसेना और मित्र पक्षों के उम्मीदवार श्री राम नाईक, कांग्रेस - राष्ट्रवादी कांग्रेस और रिपब्लिकन के उम्मीदवार श्री संजय निरुपम और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उम्मीदवार श्री शिरिष पाकर सहभागी थे. कार्यक्रम की रुपरेषा के अनुसार श्री कोसंबे द्वारा स्वागतीय संबोधन के उपरान्त तीनों ही उम्मीदवारों को अपने घोषणा-पत्र की जानकारी देनी थी. इसके बाद आम मांगों पर उन्हें मत प्रदर्शन करना था. तदुपरान्त लिखित रुप में नागरिकों द्वारा जो प्रश्न आयोजकों को सभा शुरु होने के पूर्व दिये गये थे उनका उत्तर देना था. और आभार प्रदर्शन द्वारा सभा का समापन होना था.

सभा का श्रीगणेश सुनियोजित ढंग से हुआ. उम्मीदवारों द्वारा अपने घोषणा पत्र की जानकारी दी गयी, मांगों पर भी उम्मीदवारों ने अपने विचार रखे और उसके बाद आयोजकों के पास आए प्रश्नों का क्रम शुरु होना था. परंतु इसी दौरान श्री हेमेंद्र महेता उठकर खडे हुए और कार्यक्रम संचालन में बाधा उत्पन्न करने लगे. "मुझे प्रश्न पूछना है, मुझे पहले अवसर दिया जाये" ऐसा शोर मचाना उन्होंने आरंभ किया. कार्यक्रम के संयोजक श्री दत्तराम कोसंबे द्वारा यह कहने पर कि आपको अपने प्रश्न लिखित रुप में कार्यक्रम शुरु होने के पूर्व देने चाहिये थे जो आपने नहीं दिये हैं, इसलिए अब नियमानुसार आपको प्रश्न पूछने की अनुमति नहीं है. संतप्त श्री हेमेंद्र महेता द्वारा हंगामा शुरु कर दिया गया. उनके साथ आए अन्य कार्यकर्ताओं ने भी इस हंगामे को और हवा दी. श्री राम नाईक व श्री संजय निरुपम द्वारा भी श्री हेमेंद्र महेता को अपनी बात रखने का अवसर दिये जाने का अनुरोध किये जाने के बावजूद आयोजक नियमों को शिथिल करने को तैयार नहीं हुए. श्री हेमेंद्र महेता एवं उनके सहयोगियों द्वारा हंगामा जारी रखे जाने के कारण अंततः आयोजकों ने सभा को बरखास्त कर दिया.

एक ही मंच पर उपस्थित तीन महत्वपूर्ण पार्टियों के उम्मीदवारों से संसदीय क्षेत्र के विकास और उनकी पार्टी की घोषणाओं को उत्सुकता से सुनने आए नागरिक इस घटना से बहुत आहत हुए. एक पूर्व जनप्रतिनिधी द्वारा इस तरह के हंगामे की उन्हें बिल्कुल भी अपेक्षा नहीं थी. अपनेक्षित तौर पर विसर्जित इस सभा के कारण उनका आक्रोश सभी के चेहरे पर साफ देखा जा सकता था.

(विनोद शेलार)
प्रचार प्रमुख
भ्रमणध्वनी 9867689540